C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए: [10]

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी

सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?

   उत्तर : जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन कहा जाता है।

2. सामान्य जीवन क्या है?

उत्तर : सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है।

3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?

उत्तर : धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा।

4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?

उत्तर : जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?

उत्तर : शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'यज्ञीय जीवन' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए: [3]

- विकास - व् + इ + क् + आ + स् + अ
- परी - प् + अ + र् + ई
- महारानी - म् + अ + ह् + आ + र् + आ + न् + ई

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- ताबा - ताँबा
- दात - दाँत

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- औजार - औज़ार
- दस्तावेज - दस्तावेज़

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए:

- हिन्दू - हिंदू
- सन्देश - संदेश

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- मैला - आ
- लुहार - आर

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- उत्कर्ष - उत्
- दुराचार – दूर्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए:

- अनपढ़ - अन् + पढ़
- उनसाठ - उन + साठ

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. बस हो गया, रहने दीजिए

   उत्तर : बस, हो गया, रहने दीजिए।

2. वह एक धूर्त आदमी है ऐसा उसके मित्र भी मानते हैं

   उत्तर : वह एक धूर्त आदमी है; ऐसा उसके मित्र भी मानते हैं।

3. वाह आप यहाँ कैसे पधारे

   उत्तर : वाह! आप यहाँ कैसे पधारे?

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- पुस्तकालय = पुस्तक + आलय
- नरेंद्र = नर + इंद्र
- एकैक = एक + एक
- इत्यादि = इति + आदि

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों नही होती?

   उत्तर : कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति नहीं होती क्योंकि लोग ऊपरी सुंदरता देखते हैं। इसे गंदगी का प्रतीक मानते हैं। कोई कीचड़ में नहीं रहना चाहता, न कपड़े, न शरीर गंदा करना

चाहता है। कभी किसी कवि ने भी कीचड़ के सौंदर्य के बारे में नहीं लिखा।

2. गांधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई कहाँ नौकरी करते थे?

उत्तर : गांधीजी से मिलने से पहले महादेव भाई सरकार के अनुवाद विभाग में नौकरी करते थे। इसके साथ-साथ उन्होंने अहमदाबाद में वकालत भी शुरू कर दी थी।

3. खरबूजे बेचने वाली स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?

उत्तर : उस स्त्री का लड़का एक दिन मुँह-अंधेरे खेत में से बेलों से तरबूजे चुन रहा था की गीली मेड़ की तरावट में आराम करते साँप पर उसका पैर पड़ गया और साँप ने उस लड़के को डस लिया। ओझा के झाड़-फूँक आदि का उस पर कोई प्रभाव न पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।

4. लेखक ने अतिथि को जाने का संकेत किन रूपों में दिया?

उत्तर : लेखक अतिथि को जाने के संकेत स्वरुप कैलेंडर की तारीख अतिथि को बता-बताकर बदलते थे। घर के डिनर को खिचड़ी अर्थात् सादे भोजन में बदल दिया। अतिथि के कपड़ों को धोबी को देने के बजाय लांड्री में देने का प्रस्ताव रखा। अंत में लेखक ने अतिथि को देखकर मुस्कुराना और बातचीत करना तक बंद कर दिया।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1.'अपना परिचय गांधीजी 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' के रूप में देने में महादेव भाई गौरवान्वित क्यों महसूस करते थे?

उत्तर : लेखक गांधीजी के निजी सचिव की निष्ठा, समर्पण और उनकी प्रतिभा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि वे स्वयं को गांधीजी का निजी सचिव ही नहीं बल्कि एक ऐसा सहयोगी मित्र मानते थे जो सदा उनके साथ रहे। वे गांधी जी की प्रत्येक गतिविधि उनका भोजन, उनके दैनिक कार्यो में हमेशा उनका साथ देते थे। गांधीजी के सब छोटे-बड़े सभी काम करते थे और सभी कार्य कुशलता पूर्वक करते थे। इसी कारण वे स्वयं को गांधीजी के 'पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर' कहते थे और उसमें गौरव का अनुभव करते थे।

2. पाश्चात्य देशों में धनी और निर्धन लोगों में क्या अंतर है?

उत्तर : पाश्चात्य देशों में धनी और निर्धन के बीच गहरी खाई है। वहाँ धनी लोग निर्धन को चूसना चाहते हैं। उनसे पूरा काम लेकर ही वह धनी हुए हैं। वे धन का लोभ दिखाकर उन्हें अपने वश में कर लेते हैं और मनमाने तरीके से काम लेते हैं। धनियों के पास पूरी सुविधाएँ होती हैं। कठिन परिश्रम करने के बाद भी गरीबों को झोपड़ियों में जीवन बिताना पड़ता है। इसी के कारण साम्यवाद का जन्म हुआ।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

उत्तर : जेल से छूटने के बाद वह अपने घर जाता है परन्तु तब तक उसकी बेटी सुखिया की मृत्यु हो चुकी होती है। उसके रिश्तेदारों ने उसका दाह-संस्कार भी कर दिया होता है। वह भागकर श्मशान घाट जाता है जहाँ उसे उसकी बेटी राख की ढेरी के रूप में मिलती है।

2. एक को साधने से सब कैसे सध जाता है?

उत्तर : कवि रहीम के अनुसार एक ही ईश्वर पर अटूट विश्वास रखने से सारे कार्य सिद्ध हो जाते हैं। जिस प्रकार जड़ को सींचने से हमें फल और फूलों की प्राप्ति हो जाती है उसी प्रकार एक ही ईश्वर को स्मरण करने से हमें सारे सुख प्राप्त हो जाते हैं।

3. 'एक पत्र-छाह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'एक पत्र-छाह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय यह है कि कठिनाईयों से भरे मार्ग में मानव को किसी सहारे की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। उसे हर कठिनाईयों का सामना स्वत: करते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ना चाहिए।

4. रैदास को क्यों लगता है कि प्रभु उन पर द्रवित हो गए हैं?

उत्तर : रैदास का जन्म निम्न जाति में होने के कारण समाज उन्हें छूने से भी कतराता था। ऐसी निम्न जाति के होने के बावजूद प्रभु की कृपा से ही वे एक प्रसिद्ध संत कहलाए और उच्च वर्ग से भी सम्मान पाए इसलिए रैदास को लगता है

कि संत की पदवी और प्रसिद्धि ये सब प्रभु के द्रवित होने का ही परिणाम है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है?

   उत्तर : 'आदमीनामा' शीर्षक कविता के इन अंशों को पढ़कर हमारे मन में मनुष्य के प्रति धारणा बनती है कि प्रत्येक मनुष्य स्वभाव से अलग होता है। कोई अति साधन-संपन्न है तो कोई अत्यंत गरीब। मनुष्य अपने व्यवहार से अच्छा-बुरा बनता है। यहाँ पर कुछ लोग निहायती शरीफ़ होते हैं तो कुछ लोग हद दर्जे के कमीने होते हैं।

2. कवि के पास अपना घर ढूँढने का एकमात्र विकल्प क्या और क्यों है?

   उत्तर : कवि के पास अपना घर ढूँढने का एकमात्र विकल्प यह है कि वह वह हर दरवाजा खटखटाए और पूछे कि क्या यही वो घर है। कवि का ऐसा कहने से तात्पर्य है कि नित-नवीन बदलाव के कारण जो निशानियाँ उसने बना रखी थी वह सब मिट चुकी है और वह अब अपना घर परिचितों की सहायता बिना ढूँढ पाने ने असमर्थ है।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

   उत्तर : गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि वह उसका पहला बसंत था। बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करके कुछ-कुछ कहने लगीं। उस समय गिल्लू जाली के पास आकर बैठ जाता था और उन्हें निहारता रहता था। तब लेखिका को लगा के अब गिल्लू को मुक्त कर देना चाहिए। वह अपने साथियों से मिलना चाहता था। लेखिका ने उसे मुक्त करने के लिए जाली का कोना खोल दिया ताकि इस मार्ग से गिल्लू आ-जा सके।

2. लेखक अपने बचपन में किस वस्तु से अधिक मोह रखता था और क्यों?

   उत्तर : बचपन में लेखक अपने बबूल के डंडे से बहुत अधिक मोह रखता था। लेखक को अपना वह बबूल का डंडा रायफल से भी अधिक प्रिय था। डंडे से इतना अधिक मोह का कारण यह था कि इसी डंडे से उसने कई साँपों को मार गिराया था। साथ ही मक्खनपुर स्कूल और गाँव के बीच पड़ने वाले आमों के पेड़ों से प्रतिवर्ष इसी डंडे से आम तोड़े जाते थे।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण)

ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) का अर्थ धरती के वातावरण के तापमान में लगातार बढ़ोतरी है। ग्लोबल वॉर्मिंग पृथ्वी की निकटस्थक-सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दीं से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त और परेशान है। वायु मंडल में प्राकृतिक क्रियाओं के फलस्वरुप गैसों का संतुलन बना रहता है; किंतु आज मनुष्य ने अपने कार्य-कलापों से वायुमंडल को असंतुलित बना दिया है। मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है।

भूमंडलीय तापमान बढ़ने से हिम, नदियों और पहाड़ों की बर्फ़ तेजी से पिघल रही है। इससे महासागर का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। मौसम चक्र में भी बदलाव आ रहा है। गरमी में अधिक गरमी

तथा सरदी में अधिक सरदी पड़ रही है। बिना मौसम के बरसात तथा तूफ़ान आ रहे है।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए हम सब को एकजुट होकर इस दिशा कदम बढ़ाने होगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने होगे। पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। धुआँ निकालने वाली मशीनों का प्रयोग बंद करना होगा।

आतंकवाद की समस्या

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते है। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा

विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. छोटे भाई को परीक्षा में सफलता पाने पर बधाई पत्र लिखिए:

फुले छात्रावास
दिल्ली पब्लिक स्कूल
दिल्ली
दिनाँक: 5 अप्रैल, 20xx

प्रिय मोहित
स्नेह।
मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ। कल ही पिताजी का पत्र मिला। घर के सभी लोगों की कुशलता के साथ-साथ तुम्हारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम भी ज्ञात हुआ। यह तुम्हारे कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भविष्य में भी इसी तरह सफलता अर्जित करोगे। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सफलता सदैव तुम्हारे कदम चूमे। पत्र के साथ ही पुरस्कार स्वरूप कहानी की किताबें भेज रहा हूँ। माँ और पिताजी को प्रणाम, चीनी को प्यार कहना।
तुम्हारा बड़ा भाई
अमोल

2. अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

अमर कौशिक

मकान नं. 10

नकुलविहार

नई दिल्ली- 110 035

दिनाँक: 18 जुलाई 20XX

सेवा में,

मुख्य डाकपाल

मुख्य डाकघर,

कश्मीरी गेट।

नई दिल्ली- 110 006

माननीय महोदय

विषय : डाक की उचित व्यवस्था के लिए आग्रह

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र, नकुल विहार, में डाक-वितरण की अवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। आपके क्षेत्र में डाक-वितरण की व्यवस्था नितान्त शोचनीय है। कुछ दिनों से हमारी डाक समय पर नहीं मिल रही है। साधारण पत्र दो सप्ताह के बाद प्राप्त होते है। कई बार पता सही और स्पष्ट लिखा होने के बावजूद पत्र गलत जगह पड़े हुए मिले है।

आशा है कि आप शीघ्र उपयुक्त बातों पर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करें ताकि डाकिया फिर ऐसी लापरवाही न करे।

सधन्यवाद

भवदीय

अमर कौशिक

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र पल्स पोलियो अभियान का लग रहा है। इस चित्र में पुरुष में एक नन्हें बच्चे को अपनी गोद में थाम रखा है और एक अधेड़ महिला उसे पोलियों की दवाई पिला रही है। पुरुष के कंधे पर उसका अन्य बालक, साथ में पास खड़ी बालिका और कार्ड हाथ में थामे उसकी पत्नी भी है। पोलियो ऐसी बीमारी है जिसका कोई उपचार नहीं हो सकता। इसे केवल मुँह द्वारा दिये जानेवाले वैक्सिन यानी ओपीवी से रोका जा सकता है। इस ओरल पोलियो वैक्सिन या ओपीवी का विकास 1961 में डॉ अल्बर्ट सैबिन ने किया था।

संयुक्त राष्ट्र ने 1988 में विश्व को पोलियो मुक्त करने का अभियान आरंभ किया था। भारत में दिल्ली सरकार में 1993 से 1998 तक स्वास्थ्य मंत्री रहने के दौरान डॉ हर्षवर्धन ने दिल्ली में पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह 1995 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना में शामिल होकर देशव्यापी अभियान में परिणत हुआ।

भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और रोटरी इंटरनेशनल जैसी संस्थाओं ने इनमें अहम भूमिकाएँ निभायीं। इसके अलावा अनेक नेता, मंत्री, कलाकार, खिलाड़ी, नामचीन लोगों ने इसका प्रचार किया।

इस दौरान 'दो बूंद जिंदगी की' वाकई एक मुहावरे की तरह सबकी जुबान पर रहता था। स्थानीय स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी इसमें भूमिका निभायीं और सामाजिक संगठनों ने भी। यदि पूरा देश इसमें एक होकर नहीं लगता, तो हम आज इस स्थिति में नहीं पहुँचते।

2.

उपर्युक्त चित्र किसी महानगरीय ट्रैफिक जाम से संबंधित है। यहाँ पर हमें गाड़ियाँ ही गाड़ियाँ नजर आ रही हैं। इसे देखकर ऐसा लगता है जैसे लोग एक ही जगह थमकर रह गए हैं। खासकर बड़े- बड़े शहरों में तो यह रोज की घटना है। आपको कई घंटों जाम में फँसा रहना ही पड़ता है। आप कितना भी घर से जल्दी निकलिए लेकिन आपको जाम का सामना तो करना ही पड़ेगा। इस प्रकार का जाम हमें चेताता है कि हमें आवागमन के विकल्पों को तलाशना पड़ेगा और साथ की बेहतर आवागमन की सुविधाओं के बारे में भी विचार करना पड़ेगा।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. टी.वी. के कार्यक्रमों के विषय में माता और पुत्री के बीच होनेवाला संवाद लिखिए।

माता : आजकल दूरदर्शन पर कार्यक्रमों की होड़ में अच्छे-बुरे का ध्यान नहीं रह गया। मैं तो कहती हूँ- इससे दूर ही अच्छे।

पुत्री : हाँ, माँ! ऐसा ही है, पर कुछ अच्छे भी हैं।

माता : हो सकता है, पर अधिकांश कार्यक्रम तो ऐसे हैं जिनका न कोई उद्देश्य है और न ही कोई औचित्य।

पुत्री : परंतु कितने ऐसे कार्यक्रम भी आते हैं जो हमारे ज्ञान को बढ़ाते हैं तथा स्वस्थ मनोरंजन भी करते हैं।

माता : मुझे तो अधिकतर फिल्मी कार्यक्रम ही देखने मिलते है। इसका नैतिक मूल्यों से कोई संबंध ही नहीं। आज ये विद्यार्थी के पतन का कारण बने हुए हैं।

पुत्री : हाँ, माँ! परंतु अच्छे कार्यक्रमों का चयन कर कुछ समय के लिए देखने में कोई बुराई नहीं।

माता : तुम ठीक कह रही हो, परंतु यह बात याद रखना।

2. सब्जीवाले और ग्राहक के मध्य हो रहे संवादों को लिखिए।

ग्राहक : ये टमाटर कैसे दिए है भाई?

सब्जीवाला : ले लो बाबू जी! बहुत अच्छे टमाटर है, एकदम ताजा।

ग्राहक : भाव तो बताओ।

सब्जीवाला : बेचे तो 30 रुपये किलो हैं पर आपसे 28 रुपये ही लेंगे।

ग्राहक : बहुत महँगे है भाई!

सब्जीवाला : क्या बताएँ बाबूजी! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।

ग्राहक : फिर भी ....। कुछ तो कम करो।

सब्जीवाला : आप हमारे पुराने ग्राहक है इसलिए आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी! कहिए कितने तोल दूँ?

ग्राहक : एक किलो टमाटर दे दो। और ...... एक किलो गोभी भी।

सब्जीवाला : बैंगन भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।

ग्राहक : कैसे?

सब्जीवाला : 20 रुपये किलो दे रहा हूँ।

ग्राहक : अच्छा! दे दो आधा किलो बैंगन भी।

ग्राहक : चलो अब हिसाब कर दो।

सब्जीवाला : सिर्फ 65 रुपये।

ग्राहक : लो भाई पैसे।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. खाद्य पदार्थ रखने के डिब्बे के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

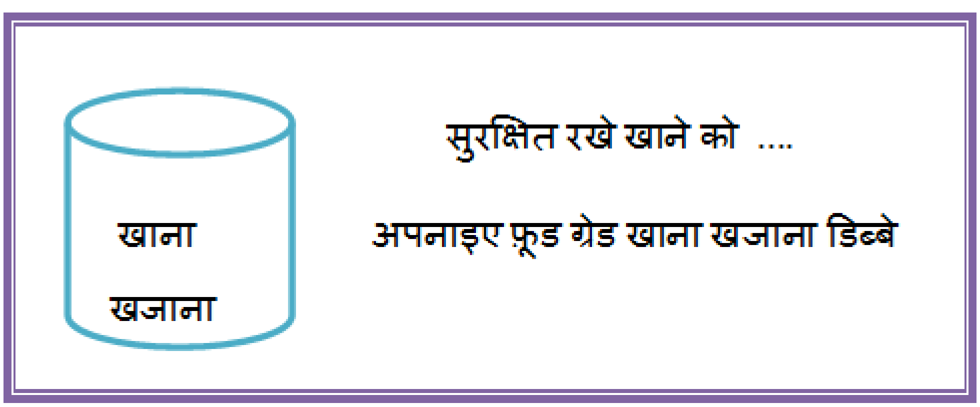

2. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए:

उजाला

'बेदाग सफाई, सिर्फ़ दस रूपए में उजाला है लाई'

बेदाग सफाई पानी है,

कीमत भी बचानी है,

घर ले जाओ उजाला ही,

खुशियों की चाबी है ।